an>

Title: Need to reduce the rate of mobile SMS sent in Hindi language.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : महोदया, आज का युग मोबाइल क्रांति का है। हम अपने संदेश एक दूसरे के पास एस.एम.एस./वाट्सऐप्प व ई-मैसेज के रूप में भेज सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश लोग इंटरनेट सुविधा का इस्तेमाल नहीं करते, वे आज भी एस.एम.एस. सुविधा का इस्तेमाल इंटरनेट के माध्यम से भेजे जाने वाले मैसेज से कहीं ज्यादा करते हैं। मौसम विभाग भी किसानों को मौसम संबंधी जानकारी देने के लिए एस.एम.एस. सुविधा का इस्तेमाल कर रहा है। एस.एम.एस. हिंदी, अंग्रेजी व अन्य देशों की भाषा में भेजा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग इस सेवा का उपयोग अंग्रेजी भाषा में नहीं कर पाते, कारणवश उन्हें अपना संदेश हिंदी में ही लिखना पड़ता है। ...(व्यवधान)

एस.एम.एस. सुविधा को छोड़ कर मोबाइल की सभी सेवाओं में किसी भी भाषा का प्रयोग करने पर एक समान चार्ज लगता है, हिंदी एस.एम.एस. की कीमत अंग्रेजी के अपेक्षा अधिक चुकानी पड़ती है, जिसका कारण स्पष्ट है कि प्रत्येक हिंदी के शब्द को बनाने में मात्राओं को अलग की-स्ट्रोक भिनने के कारण अधिक की-स्ट्रोक्स का इस्तेमाल किया जाता है। उत्तर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों मे यह देखा जाना आम है कि अंग्रेजी में आए एस.एम.एस. को पढ़वाने के लिए दूसरों के पास जाना पड़ता है। ...(व्यवधान)

आज हमारी सरकार पिछले कई वर्षों से हिंदी को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। यह प्रयास पिछले कई दशकों से चलते आए हैं। प्रत्येक मंत्रालय व विभागों में प्रतिवर्ष हिंदी पखवाड़े का आयोजन भी किया जाता है। बैंकों को भी हिंदी भाषा का प्रयोग करने के निर्देश समय-समय पर दिए जाते रहे हैं। पिछले दशकों में कई करोड़ रूपये की धनराशि हिंदी भाषा को बढ़ाने के लिए खर्च की जा चुकी है। ...(व्यवधान)

मेरा सदन के माध्यम से माननीय सूचना और संचार मंत्री जी से अनुरोध है कि हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के क्रम में हिंदी भाषा के एस.एम.एस. के शुल्क को आधा करने हेतु मोबाईल नेटवर्क कंपनियों को निर्देश जारी करने की कृपा करें, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बसे लोगों को उनकी मातृ भाषा का लाभ आसानी से तथा कम दर पर मिल सके। ...(व्यवधान)